बुधवार
22 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 88
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94   email: doonvalley_news@yahoo.com   Website: dunvalleymail.com   डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बाबा केदार के द्वार खुले

❑भक्ति और उल्लास के बीच धामी मौजूद

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्रद्धा, आस्था और दिव्यता की अद्भुत त्रिवेणी, ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट आज विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ हेतु खोल दिए गए हैं। प्रात: 8 बजे शुभ मुहूर्त में कपाट खुलते ही पूरा धाम "हर-हर महादेव" और "जय श्री केदार" के उद्घोष से गूंज उठा। धाम में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई।

इस पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहे और उन्होंने बाबा केदारनाथ के दर्शन कर प्रदेश एवं देश की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। सिख रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच कपाट उद्घाटन का यह दिव्य क्षण और भी अलौकिक बन गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केदारनाथ धाम न केवल सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि यह भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और इस वर्ष भी बाबा केदार के आशीर्वाद से यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने सभी उत्तराखंडवासियों से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रति सेवा और आतिथ्य भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बाबा केदारनाथ का अनन्य भक्त बताते हुए कहा कि वर्ष 2013 की आपदा के बाद उनके मार्गदर्शन में केदारनाथ धाम का भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण हुआ है, जो आज विश्वभर के श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है।

भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ से गुप्तकाशी, फाटा और गौरीकुंड होते हुए कल शाम ही धाम पहुंच चुकी थी। इसी क्रम में कपाट खुलने की प्रक्रिया आज प्रात: 5 बजे से प्रारंभ हुई। इसके बाद प्रात: 8 बजे रावल भीमाशंकर लिंग, पुजारी टी गंगाधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती सहित धर्माचार्यों एवं वेदपाठियों ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर विधिवत पूजा-अर्चना की। देव आवाहन एवं लोककल्याण के संकल्प के साथ ठीक 8 बजे कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट उद्घाटन के अवसर पर श्री केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल से अधिक फूलों से भव्य

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

साधु का हत्यारा गिरफ्तार!

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। साधु की डंडे-पत्थर से हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने मात्र 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की यह वारदात रात को सोने की जगह को लेकर अंजाम दी गयी थी। मृतक साधु अज्ञात है जिसकी शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है।

जानकारी के अनुसार कल एक व्यक्ति द्वारा चौकी रोडीबेलवाला में सूचना दी गयी कि दीनदयाल पार्किंग के अण्डर पास के ऊपर दोनो हाईवे के बीच पीपल पेड के पास एक बाबा काफी समय से निवास करता है। रात उसके साथ एक नेपाली मूल के व्यक्ति ने मारपीट के दौरान डन्डे व पत्थर से गम्भीर चोट मार रखी है। सूचना पर चौकी पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची तो मोके पर एक बाबा नाम पता अज्ञात पुरुष उम्र करीब 40-45 वर्ष के सिर व माथे पर काफी गम्भीर चोट लगी थी। घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल हरिद्वार ले जाया गया जहाँ पर डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीमों द्वारा डिजिटल एवं मैनुअल पुलिसिंग की मदद से घटना से जुड़े तथ्य जुटाए तथा सूचनाकर्ता द्वारा बताये गये हुलिये के अनुसार हत्यारोपी की तलाश के लिए संभावित स्थलों पर तलाशी अभियान शुरु किया। पूछताछ में श्रद्धालुओ एवं यात्रियो ने बताया कि हुलिया से मिलता जुलता व्यक्ति थोडी देर पहले गंगा सभा की अस्थायी पार्किंग की तरफ जाते हुये

देखा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर देखा तो वहां पार्किंग के अन्दर एक पेड के नीचे एक व्यक्ति सोता हुआ दिखाया दिया। उठाने पर उक्त व्यक्ति पुलिस को देखकर सकपका गया और रोते हुए माफी मांगने लगा। व्यक्ति ने अपना नाम दीपक थापा बताते हुए जानकारी दी कि वह कुछ दिन पहले चण्डीगढ से हरिद्वार आया था और रहने का कोई ठिकाना न होने पर पार्किंग में ही सो रहा था। कुछ दिन पहले सोने को लेकर हुए विवाद में चोट लगने पर वह बदला लेने की सोचने लगा। बीती रात वह कनखल में एक शादी का काम करने के लिये गया था जहां नशा करने के बाद वह सोने के लिये पुल के नीचे सडक पर आया जहां मारपीट करने वाले व्यक्ति ने फिर गाली-गलौच शुरु कर दी। गुस्से में दीपक ने पहले बांस के डण्डे से और फिर जब डंडा टूट गया तो पास पडे एक पत्थर से उसके मुंह पर मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। बहरहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भविष्य से इतनी भयभीत क्यों भाजपा

राजनीति के अखाड़े में भले ही प्रत्यक्ष रूप में चुनावी हार की कसौटी पर किसी भी राजनीतिक दल और नेता को सफल और असफल समझ जाता हो लेकिन इसके अतिरिक्त भी दलों और नेताओं के बीच साख और सम्मान के आधार पर उनकी सफलता और असफलताओं का आकलन किया जाता है? उनके चाल चरित्र और विचार धारा के अलावा उनके कामकाज को भी परखा जाता है। कौन राष्ट्रीय तथा समाज हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और राजहित को ही राजनीतिक सफलता मानता है देर सवेर यह बात देश के हर आदमी के समझ में आ ही जाती है। एक दशक पूर्व जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देश की सत्ता संभाली थी उससे पहले से ही कांग्रेस और राहुल गांधी के साथ उनकी अदावत की राजनीतिक जंग जग जाहिर है। राहुल गांध ी और उनके परिवार की हर मोर्चे पर घेराबंदी और उनकी छवि खराब करने से लेकर उनका राजनीतिक करियर खत्म करने तक का कोई भी एक ऐसा प्रयास नहीं है जो नहीं किया गया हो। उनके कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के नारे से लेकर उनकी राष्ट्रीयता पर सवाल उठाने से लेकर उनकी संसद सदस्यता समाप्त करने और सरकारी आवास छीनने तथा उन्हें पप्पू साबित करने तक ऐसा कुछ भी नहीं छोड़ा गया जो न किया गया हो। लेकिन लगातार अपमानित किए जाने व जेल भेजने की कोशिशों के बीच भी राहुल गांधी न झुके न रुके। और आज नेता विपक्ष की हैसियत से संसद में प्रधानमंत्री मोदी के सामने बैठकर उनसे सवाल जवाब कर रहे हैं यह दीगर बात है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस कोई चुनाव जीतकर सत्ता तक पहुंचने में अब तक नाकाम रही है लेकिन आज कांग्रेस और राहुल गांधी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक ऐसी चुनौती बन चुके हैं कि उनके सामने प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। यही नहीं अब सरकार को वह किसी तरह की मनमानी से रोकने में भी सक्षम हो गए हैं। सरकार द्वारा 3 दिन का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े इन बिलों पर संसद में सरकार को मिली पराजय इसका ताजा उदाहरण है यही नहीं अब लोकप्रियता के मापदडों में भी राहुल गांधी प्रधानमंत्री से पीछे नहीं रहे हैं। देश की सियासत में सिर्फ दो ही शख्सियत ऐसी हैं जो भाजपा और प्रधानमंत्री से लोहा लेने का साहस दिखा सकती है एक राहुल गांधी दूसरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। जो सरकार के सामने अब तक नहीं झुकी है। संसदीय सदस्यता छीने जाने व 2 महीने की सजा सुनाए जाने के बाद भी भाजपा खेमे के लोगों ने राहुल गांधी को यह समझाया था कि वह कोर्ट में अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ले लेकिन राहुल ने साफ कहा था कि उन्हें जेल जाना स्वीकार है लेकिन माफी नहीं मांगेंगे। भाजपा की वर्तमान सरकार द्वारा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों को डराने धमकाने तथा झूठे केसों में उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम किया जाता रहा है उसने उसकी छवि को बुरी तरह खराब कर दिया है। सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग का नया इतिहास ही वर्तमान सरकार ने नहीं लिखा है बल्कि संवैधानिक व्यवस्थाओं को अपने अनुकूल बनाने के प्रयास में वह सब कुछ किया है जो नहीं किया जाना चाहिए था यही कारण है कि अब भाजपा को सत्ता जाने का डर इतना सता रहा है कि वह अपने और पार्टी के भविष्य को लेकर हैरान परेशान है।

तीन लाख रुपये की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने तीन लाख रूपये की स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सघन चैकिंग/सत्यापन अभियान चलाते हुए आपराधि क गतिविधियों में लिप्त आरोपियों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर वैध ानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में कोतवाली विकासनगर पर गठित पुलिस टीम लगातार चलाये जा रहे सघन चौकिंग अभियान के दौरान रात्रि ढालीपुर गावं के रास्ते छतरी के पास विकासनगर से रिजवान उर्फ पटवारी पुत्र शमशाद निवासी जंगलात चौकी के पास को लगभग 03 लाख रूपये मूल्य की 8.84 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। विकासनगर पर एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह स्वंय भी नशे का आदि है तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उसके द्वारा उक्त स्मैक को कुल्हाल में एक महिला से सस्ते दामों में खरीदा गया था, जिसे वो अन्य नशेडियों को मंहगे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने की फिराक में था। उसका पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी, आर्म्स एक्ट तथा अन्य आपराधिक घटनाओं में जेल जाना प्रकाश में आया है। उसके विरूद्ध जनपद के अलग-अलग थानों आधा दर्जन से अधिक मुकदमें पंजीकृत हैं। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

डिजिटल उपवास पर रहते हुए, उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लें तीर्थयात्री

❑प्रधानमंत्री मोदी ने चारधाम यात्रा के लिए प्रेषित की शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चारधाम यात्रा शुरु होने पर देशवासियों को शुभकामना संदेश देते हुए, उत्तराखंड आने वाले तीर्थयात्रियों से पांच संकल्पों का पालन करने का आग्रह किया है। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर प्रेषित अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरती पर चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि बाबा केदार के दर्शन सहित चारों धामों की यह पावन यात्रा भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना का एक भव्य उत्सव है। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्राओं से भारतीय संस्कृति को एक नई दिशा दी थी। जगद्गुरु रामानुजाचार्य और जगद्गुरु माध्वाचार्य ने भी अपने धर्मविचारों को समृद्ध करने के लिए बद्रीनाथ की यात्रा की थी। आज भी हिमालय की गोद में विराजमान ये चारों धाम हमारी शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केंद्र हैं। हर वर्ष विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग यहां पहुंचते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के भाव को और अधिक सशक्त करते हैं। इस वर्ष की यात्रा भी इसी परंपरा का विस्तार है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखंड की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले, उन्होंने बाबा केदार के द्वार पर खुद ये कहा था कि ये दशक उत्तराखंड का दशक होगा। आज उत्तराखंड की प्रगति इस विश्वास को साकार कर रही है। उत्तराखंड आज पर्यटन, आध्यात्मिकता और आर्थिक प्रगति, तीनों क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड में विकास का जो महायज्ञ चल रहा है, उसने चारधाम यात्रा को पहले से अधि क सुगम, सुरक्षित और दिव्य बनाया है। जिससे श्रद्धालुओं, संतजनों और पर्यटकों को सुविधा हो रही है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड आने वाले अतिथियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी यात्रा के दौरान डिजिटल उपवास रखते हुए, उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता को जीने का प्रयास भी करें। इससे उन्हें एक अलग संतुष्टि भी मिलेगी। धाम और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखें। नदियों को साफ रखने के लिए अपना योगदान दें। सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त यात्रा का संकल्प लें और इस पावन धरा की गरिमा को बनाए रखें। हिमालय की इस दिव्य धरा के प्रति संवेदनशील रहे। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखते हुए, एक पेड़ मां के नाम जैसे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। पुरातन काल से तीर्थ यात्राएं सर्वजन की सेवा और सामाजिक समरसता को स्थापित करने का माध्यम रही हैं। आज भी लोग इसी सेवा भाव से तीर्थयात्रियों की सेवा करते हैं। इसीलिए, तीर्थयात्री अपनी यात्रा के प्रत्येक दिन, किसी ना किसी रूप में, लोगों की सेवा का एक काम अवश्य करें।

आजादी के योद्धाओं को श्रद्धासुमन अर्पित किया, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। विश्व पृथ्वी दिवस तथा गांधीजी के नमक तोड़ो आंदोलन की 96वीं वर्षगांठ पर खाराखेत में नून नदी पर स्थित स्मारक पर दून के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जहां आजादी के योद्धाओं को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए वही पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का आयोजन मैती आंदोलन, संयुक्त नागरिक संगठन, महावीर सेवा समिति, पहाड़ी पैडलर ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। यहां रेंज अधि कारी सुनेल पनेरु सहित वन विभाग की टीम के साथ पर्यावरण प्रेमियों तथा युवा पैडलर्स ने पौधारोपण में भाग लिया।

यहां आयोजित संवाद में वक्ताओं ने कहा जलवायु परिवर्तन,बढ़ते तापमान,प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों का सामना करने के लिए आज प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति सभी नागरिकों को जागरूक किया जाना जरूरी है।हमे घरों में या घर से बाहर प्लास्टिक या पॉलीथीन के बैग का प्रयोग बिल्कुल खत्म करना होगा,इसके रीसायकल और रीयूज को भी अपनाना होगा। वक्ताओं ने रायपुर स्टेडियम के बाहरी क्षेत्र में सूखे तथा कटे पेड़ों के श्मशान की जगह नया जंगल उगाने की मांग सरकार से की। वृद्ध नागरिकों का कहना था की मानव वन्यजीव संघर्ष के बुनियादी कारणों पर विचार कर वन्य जीव जंतुओं,पशु पक्षियों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट होने से बचाने हेतु वनों के कटान पर पूर्ण रोक लगाई जानी जरूरी है।

संवाद में लेफ्टिनेंट कर्नल बीएम थापा,अर्जुन कोहली, कल्याण सिंह रावत,डा.स्वामी एस चंद्रा, सोनल पनेरु,गजेंद्र सिंह रमोला,सुशील त्यागी,मोहन सिंह खत्री,अवधेश शर्मा, ताराचंद गुप्ता,मोहन सिंह नेगी,राजेश भाटिया,जी एल पाहवा,जीपी मल्होत्रा, फकीरचंद खेत्रपाल,जीवन झा,नीरज उनियाल,सुदर्शन नेगी,गजपाल सिंह, रावत खेमराज सिंह,नरेश चंद्रकुला,डॉ राकेश डंगवाल,रवि सिंह नेगी,दीपांशु पालीवाल,रेहान सिद्धिकी,हिमांशु बिष्ट,लक्ष्मण सिंह बिष्ट,विनोद रमोला,देबू थापा,नितिन गोयल शामिल थे। कार्यक्रम का समापन खाराखेत नून नदी से भरकर लाए जल कलश को गांधी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर लाकर अर्पित किया गया। यहां नमक तोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और समर्पण की सराहना करते हुए उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

फर्जी हस्ताक्षर कर नक्शा पास करा लिया

देहरादून(सं)। राजपुर निवासी प्रेम भूटानी ने कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके रिश्तेदार चन्द्रशेखर भूटानी उसके सहयोगी व एमडीडीए के कर्मचारियों ने मिलकर ध ोखाधडी की नियत से उसके फर्जी हस्ताक्षर कर शपथ पत्र तैयार कर सम्पत्ति के प्रथम तल मकान बनाने के लिए एमडीडीए से नक्शा पास करा लिया। जिसको उसको अभी पता चला है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

यमुनोत्री धाम के लिए मास्टर प्लान की उठी मांग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री मंदिर धाम के विकास कार्यों में हो रही देरी और समन्वय की कमी को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गहरी नाराजगी जताई है। जनप्रतिनिधियों ने यमुनोत्री धाम का एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर उसे भारत सरकार को भेजने की मांग रखी है। मंदिर समिति के संरक्षक ज्योति प्रसाद उनियाल, पंच पंडा समिति के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन उनियाल और रावल आशीष उनियाल ने जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, दर्जाधारी रामसुंदर नौटियाल और श्याम डोभाल से मुलाकात कर धाम के समग्र विकास पर गंभीर चर्चा की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने मांग रखी कि यमुनोत्री धाम का एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि धाम में एकरूप विकास और जवाबदेही तय करने के लिए किसी एक विभाग को पूरी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने भी सहमति जताते हुए कहा कि वर्तमान में कई विभाग अलग-अलग स्तर पर कार्य कर रहे हैं जिससे समन्वय की कमी बनी रहती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला पंचायत उत्तरकाशी को जानकीचट्टी से लेकर यमुनोत्री धाम तक के क्षेत्र की जिम्मेदारी दी जाए। जनप्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि पिछले वर्ष आपदा के बाद बाढ़ सुरक्षा कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाए हैं, जिससे इस यात्रा सीजन में श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

द्वाराहाट क्षेत्र पंचायत की समस्याओं पर समीक्षा बैठक आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। क्षेत्र पंचायत द्वाराहाट की पूर्व में आयोजित बैठक में प्राप्त शिकायतों और समस्याओं के निराकरण को लेकर मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा की अध्यक्षता में विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सोमवार को आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त शिकायतों की स्थिति का एक-एक कर अवलोकन करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य, पंचायती राज, पूर्ति, ग्राम्य विकास और समाज कल्याण विभाग से संबंधित शिकायतों की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र पंचायत स्तर पर उठाई गई समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं पर सक्रियता से कार्य करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने और प्रत्येक प्रकरण की अद्यतन स्थिति सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में ब्लॉक प्रमुख द्वाराहाट आरती किरौला सहित स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, पूर्ति, समाज कल्याण और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हॉट मिक्स प्लांट के जहरीले धुएं से जरड़ा गांव में दहशत

उत्तरकाशी(आरएनएस)। बिल्ला जरड़ा मोटर मार्ग पर संचालित हॉट मिक्स प्लांट के जहरीले धुएं से जरड़ा गांव के लोग स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों ने प्लांट को नियमों के विपरीत संचालित होने का आरोप लगाया है। आरोप है कि हॉट मिक्स प्लांट के धुएं से उनके क्षेत्र का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जिसका फसलों और चारापत्ती वाली पौधों पर भी असर पड़ रहा है। उपजिलाधिकारी बड़कोट को ग्रामीणों ने शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने हॉट मिक्स प्लांट की जांच कर उसे दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की मांग की है। कार्यवाही नहीं होने पर ग्रामीणों ने बिल्ला के समीप यमुनोत्री हाइवे पर सांकेतिक जाम लगाकर प्रदर्शन की चेतावनी दी। काश्तकार रणजोर सिंह, प्रताप सिंह, दिवान सिंह, सोबेन्द्र सिंह, अकबर सिंह, राजवीर सिंह, अब्बल सिंह, संदीप सिंह आदि का कहना है कि हॉट मिक्स प्लांट के पास से ही जरड़ा गांव के लोगों की कृषि भूमि लगी हुई है। प्लांट से गांव की हवाई दूरी महज दो से ढाई सौ मीटर है जिससे लोगों को बीमार होने का डर सता रहा है। जहरीले धुएं से काश्तकार अपनी मवेशियों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंतित है। कुछ लोग आंखों में जलन होने की भी शिकायत कर चुके हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया जागरुकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत जिले में जनजागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन और मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर के पर्यवेक्षण में प्रभारी फायर स्टेशन रानीखेत गणेश चंद्र के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों और आवासीय भवनों में व्यापक अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान एक्सलेटर हिमालय व्यू सोसाइटी सहित विभिन्न गांवों में पहुंचकर फायर टीम ने लोगों को आग लगने के संभावित कारणों, उससे बचाव के उपायों और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम द्वारा आमजन को जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए, जिनमें अग्नि सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु शामिल थे। जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई। साथ ही आग लगने की स्थिति में तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना देने और सुरक्षित तरीके से प्रारंभिक नियंत्रण के उपाय अपनाने के बारे में भी जानकारी दी गई।

एबीईओ कार्यालय में अभिभावकों ने किया हंगामा

कोटद्वार(आरएनएस)। क्षेत्र के प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश सूची में केवल ओबीसी वर्ग के मुस्लिम बच्चों के नाम होने से सामान्य समेत अन्य वर्गों के बच्चों को नजदीकी विद्यालयों में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है।

क्षेत्र के अभिभावकों ने शिक्षा विभाग की इस मनमानी के विरोध में बीआरसी सुखरो स्थित एबीईओ कार्यालय में प्रदर्शन किया। जल्द नई सूची जारी करने की मांग करते हुए एबीईओ वर्षा भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा है। क्षेत्र के अभिभावक बीआरसी सुखरो स्थित एबीईओ कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्षद विपिन डोबरियाल व हिमांशु वर्मा के नेतृत्व में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। अभिभावकों का कहना है कि क्षेत्र में स्थित ब्लूमिंग वेल में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए सभी 10 सीटों पर ओबीसी वर्ग मुस्लिम बच्चों का चयन किया गया है। वहीं हेड हेरिटेज में 12 सीटों पर भी दो बच्चों को छोड़कर अन्य सभी सीटों पर मुस्लिम बच्चों का प्रवेश दिया गया है। यही हाल क्षेत्र के अन्य विद्यालयों का भी है। सूची में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से अन्य वर्गों के बच्चों को नकारकर 95 फीसदी मुस्लिम बच्चों को शामिल किया गया है। इससे अन्य वर्गों के बच्चों को इन नजदीकी विद्यालयों में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। अभिभावकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में एबीईओ कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत एक मुस्लिम कर्मचारी की संलिप्तता पाई गई है। अभिभावकों ने आरटीई की नई लिस्ट जारी करने व आरोपी लिपिक को हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों में लक्ष्मी नेगी, पूनम देवी, उषा शर्मा, ममता, रौनिका, मीरा चौहान, प्रियंका आदि शामिल रहे। प्रवेश सूची में ओबीसी मुस्लिम बच्चों को वरीयता देने के विरोध में अन्य वर्गों के अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शिक्षा विभाग की ओर से नई सूची जारी नहीं की गई तो जनप्रतिनिधि व आवेदनकर्ता अभिभावक शिक्षा विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलने को बाध्य होंगे।

उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिला नहीं सत्यापन के लिए आ रहा फोन

नई टिहरी(आरएनएस)। भिलंगना ब्लॉक में घुत्तू क्षेत्र के कई लोगों को अभी तक उज्ज्वला गैस कनेक्शन तो नहीं मिल पाया है लेकिन उन्हें कनेक्शन सत्यापन कराने के लिए फोन कॉल आने से ग्रामीण असमंजस में है। बिना कनेक्शन के सत्यापन कराने के फोन कॉल से परेशान लोगों ने तहसील प्रशासन को ज्ञापन भेजकर इसकी जांच कराने की मांग की है।घुत्तू क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि इन दिनों प्रतापनगर में स्थित गैस एजेंसी से उज्ज्वला गैस कनेक्शन सत्यापन कराने के लिए फोन कॉल आ रही है जबकि उनमें से अधिकतर लोगों के पास उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं है। ग्रामीणों ने योजना की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए उज्ज्वला गैस कनेक्शन वितरण में अनियमितताएं बरतने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर आवेदन किया था लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी अभी तक कनेक्शन नहीं मिल पाए हैं। क्षेत्र के केदार बर्त्वाल ने कहा कि बिन कनेक्शन के सत्यापन के लिए फोन कॉल आने से गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने इसकी जांच कर पात्र लाभार्थियों को उज्जवला गैस कनेक्शन देने की मांग की है। क्षेत्र की कमला देवी, फूल देवी, मकानी देवी, मंगला देवी, भामा देवी, सुशीला देवी और पवित्रा देवी आदि ने बताया कि उन्हें कनेक्शन अभी तक नहीं मिला है जबकि उन्हें कनेक्शन सत्यापन के लिए फोन कॉल आई है।

मरोड़ पुल में खुली अंग्रेजी शराब की उप दुकान को करें बंद

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक के पट्टी सकलाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मरोड़ पुल के समीप खुली उप अंग्रेजी शराब की दुकान को बंद करने की मांग उठाई है। मुख्य विकास अधिकारी को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने शीघ्र मांग पर सकारात्मक कार्यवाही न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश उनियाल और जिला पंचायत सदस्य भुत्सी सीता मनवाल के नेतृत्व में सकलाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में सीडीओ वरुणा अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य उनियाल और जिला पंचायत सदस्य मनवाल ने कहा कि आबकारी विभाग के सहयोग से अप्रैल माह में मरोड़ा पुल के समीप एक उप अंग्रेजी शराब की दुकान खोली गई। लोगों के विरोध के बाद डीएम के निर्देश पर कुछ दिनों तक दुकान बंद रखी गई लेकिन गत 15 अप्रैल को फिर से दुकान खोल दी गई। कहा कि वर्ष 2026-27 में आबकारी नीति में नई उप मदिरा की दुकानों के सृजन का कोई प्रावधान नहीं है। केवल पूर्व में संचालित उप दुकानों को ही सीमित रूप में जारी रखने की व्यवस्था है। पूर्व से मरोड़ा पुल के समीप कोई उप मदिरा की दुकान नहीं थी। शराब की दुकान का संचालन आबकारी विभाग के मिली भगत से एक पत्र के आधार पर शुरू किया गया है। सीडीओ मामले में डीएम से वार्ता कर ग्रामीणों को सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा दिया है।

अब मिनी सचिवालयों में ही सुनी जाएंगी ग्रामीणों की समस्याएं

हरिद्वार (आरएनएस)। जिलेवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत ग्राम पंचायतों में तैयार किए गए मिनी सचिवालयों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं गांव स्तर पर ही सुनी और निस्तारित की जाएंगी। योजना का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने वर्चुअल माध्यम से किया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड राज्य के 25वें रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जनपद के जर्जर पंचायत भवनों का जीर्णोद्धार कराया गया था। इसके बाद सभी ब्लॉकों के 25 पंचायत भवनों को आधुनिक स्वरूप देकर मिनी सचिवालय बनाया गया है। अब यहां ग्राम प्रधान जनता की समस्याएं सुनेंगे। साथ ही प्रत्येक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली जनसुनवाई से इन्हें वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाएगा, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सके।

जागेश्वर धाम में बढ़ता अतिक्रमण बना परेशानी, जाम और अव्यवस्था से श्रद्धालु परेशान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जागेश्वर धाम क्षेत्र में अतिक्रमण लगातार बढ़ने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति आम होती जा रही है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। धाम में बढ़ती भीड़ के साथ सड़क किनारे अतिक्रमण भी तेजी से फैल रहा है।

पिछले वर्ष प्रशासन ने शिकायतों के आधार पर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर पुरातात्विक संग्रहालय गेट से टीआरसी प्रवेश द्वार तक जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण हटाया था। उस समय अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि म्यूजियम गेट से ऊपर दुकानें न लगाई जाएं और पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित किया गया था। इसके बावजूद कुछ समय बाद पुन: अतिक्रमण फैलने लगा और वर्तमान में म्यूजियम से टीआरसी गेट तक लोक निर्माण विभाग की भूमि पर कब्जे की स्थिति बनी हुई है। अतिक्रमण के कारण टीआरसी रोड पर भी अव्यवस्था बढ़ गई है, जो बड़े वाहनों के बैक करने का प्रमुख मार्ग है। यहां भी कई स्थानों पर वाहन खड़े कराए जा रहे हैं, जिससे जाम की समस्या और बढ़ रही है। आरोप हैं कि कुछ स्थानों पर श्रद्धालुओं पर दुकानों से सामान खरीदने का दबाव भी बनाया जाता है। शाम के समय कुछ फड़ों में अव्यवस्था की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ स्थानों पर नियमों के विपरीत गतिविधियां संचालित होने से धाम की गरिमा प्रभावित हो रही है और श्रद्धालुओं के साथ अभद्रता की घटनाएं भी सामने आई हैं। हालांकि पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई किए जाने की बात भी कही जा रही है। सूत्रों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में बाधाएं भी सामने आई हैं। बताया जाता है कि कुछ मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान राजनैतिक हस्तक्षेप की स्थिति बनी, जिसके चलते कई बार अभियान प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ पाया। यही कारण है कि क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या दोबारा बढ़ती जा रही है।

सेंसिटिव स्किन वालों के लिए फेस वॉश का सही तरीका

हर किसी की स्किन टाइप अलग-अलग होती है। यदि आपकी स्किन धूप, प्रदूषण या कॉस्मैटिक के इस्तेमाल से जलने लगती है, तो आपकी स्किन संवेदनशील यानी सेंसिटिव है। इस तरह की स्किन टाइप वालों के मन में हमेशा यह सवाल घूमता रहता है कि आखिर अपना चेहरा किस प्रकार से धोएं।

चेहरे को धोने के लिए किस किस्म के पानी का प्रयोग करें या फिर चेहरे पर कौन सी क्रीम लगाएं आदि। फेस को क्लीन करते हुए इरिटेशन न हो इसलिए आज हम आपको स्किन केयर रूटीन बताएंगे जिसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। अगर आपकी भी स्किन सेंसिटिव है, तो जरूर पढ़ें ये 5 टिप्स...

गुनगुने या ठंडे पानी का करें प्रयोग

आपकी स्किन में जलन न हो इससे बचने के लिए पानी का सही तापमान महत्वपूर्ण है। चेहरा धोने के लिए आमतौर पर गुनगुना या ठंडा पानी सबसे अच्छा होता है। गर्म पानी त्वचा की नमी को छीन लेता है। वहीं, ठंडा पानी स्किन पोर्स को छोटा करता है अत्यधिक तेल पैदा करने से रोकता है। आपको अपनी स्किन की समस्याओं को ध्यान में रख कर पानी के तापमान का चुनाव करना चाहिए।

किस तरह चुनें फेस वॉश

चेहरे पर फेस वॉश सीधे तौर पर न लगाएं। पहले अपने चेहरे को पानी से गीला करें और फिर फेस वॉश लगाएं। फिर अपनी उंगली में एक मटर के आकार जितना फेस वॉश लें और चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मलें। इस मामले में फॉमिंग क्लींजर काफी अच्छे माने जाते हैं, लेकिन यह सेंसेटिव स्किन के लिए बिल्कुल भी नहीं हैं। इससे ना सिर्फ आपकी स्किन से नेचुरल ऑयल निकल जाता है, बल्कि स्किन में ड्रायनेस और इचिंग होने लगती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी जेंटल व मिल्की नॉन फॉमिंग क्लींजर को ही अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाएं।

रगड़ कर न पोंछे चेहरा

संवेदनशील त्वचा वालों को कभी भी अपना चेहरा रगड़कर नहीं पोंछना चाहिए। साथ ही चेहरे को पोंछने के लिए एक मुलायम तौलिए फिर सॉफ्ट कपड़े का प्रयोग करना चाहिए। हमेशा अपने चेहरे पर लगे पानी को हल्का सा डैब करके पोंछे।

4. लाइट मॉइस्चराइजर का करें प्रयोग

संवेदनशील त्वचा वाले ज्यादातर लोगों को चेहरा धुलने के बाद फिर से अपनी स्किन को हाइड्रेट करने की आवश्यकता होती है। अपने लिए हमेशा वैसे ही मॉइस्चराइजर का चुनाव करें जो आपकी टाइप की स्किन के लिए ही बनाया गया हो। यदि आप धूप में बाहर निकलती हैं, तो सनस्क्रीन वाले उत्पाद का उपयोग करें।

नाखून चबाता है आपका बच्चा तो इन आसान तरीकों से छुड़ाएं

अमूमन हर बच्चा नाखून चबाता है और बड़े होने पर भी बच्चे अपनी इस आदत को छोड़ते नहीं हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिन बच्चों के माता-पिता नाखून चबाते हैं, उनके बच्चों में भी इस आदत का जोखिम अधिक रहता है।

कभी-कभी नाखून चबाना मानसिक और भावनात्मक तनाव का भी संकेत हो सकता है। घबराहट, बेचैनी या दुख महसूस होने पर भी बच्चे ऐसा करते हैं। इस तरह की भावनाओं से निपटने का यह एक तरीका हो सकता है।

आइए जानते हैं बच्चों के नाखून चबाने की आदत के पीछे क्या कारण हैं और इससे कैसे छुटकारा पाया जा सकता है।

इस आदत को बदलना क्यों जरूरी है

नाखून चबाने से स्थायी रूप से कोई नुकसान तो नहीं होता है लेकिन हां ये आपके बच्चे को निम्न रूप से प्रभावित जरूर कर सकता है।

*जब नाखूनों के आसपास के ऊतक क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो वे सही तरीके से बढ़ना बंद कर सकते हैं। इससे नाखून भद्दे या अजीब दिख सकते हैं।

*नाखून चबाते समय दांत पर क्रैक आने का भी खतरा रहता है। समय के साथ अगर इस आदत को न छोड़ा जाए तो जबड़े से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं।

*हाथों का कीटाणुओं का घर कहा जा सकता है। नाखूनों में कीटाणु सबसे ज्यादा छिपे रहते हैं। जब दिन में कई बार मुंह में उंगलियां डालते हैं तब बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं नाखून चबाने पर स्किन को नुकसान भी पहुंच सकता है।

बच्चे को नाखून चबाने से कैसे रोकें

*इस आदत को छुड़ाने का सबसे आसान तरीका है कि आप बच्चों के नाखून समय-समय पर काटती रहें।

*नाखूनों पर कोई कड़वे फ्लेवर वाली नेल पॉलिश लगा दें। इस स्थिति में नाखूनों को चबाने से पहले बच्चा दो बार सोचेगा। मां का दूध छुड़ाने के लिए भी स्तनों पर कोई खराब स्वाद वाली चीज को लगाने का तरीका अपनाया जाता है।

*मैनीक्योर करवाने से नाखून साफ रहते हैं और उनमें जमा कीटाणु बाहर आ जाते हैं।

उन बातों पर ध्यान दें जो बच्चे को नाखून चबाने के लिए ट्रिगर करती हैं। कोशिश करें कि बच्चे को इन चीजों से दूर रखा जाए।

रोजाना करें एक कीवी का सेवन, मिलेंगे कई प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

कीवी डाइटरी फाइबर और विटामिन-सी का शक्तिशाली स्रोत है, जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। डाइटरी फाइबर पाचन क्रिया को मजबूती देने, ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और वजन घटाने में मदद करता है, जबकि विटामिन- सी प्रतिरक्षा में सुधार करने, अस्थमा के इलाज में सहायता करनेऔर मुक्त कणों से लड़ने जैसे लाभ देने में मदद करता है। ऐसे में रोजाना एक कीवी का सेवन करने से आपको ये 5 प्रमुख स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं।

अस्थमा रोगियों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में है सहायक

कीवी में मौजूद विटामिन- सी की उच्च मात्रा अस्थमा के इलाज में मदद कर सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि इसके सेवन से घरघराहट और अस्थमा से पीड़ित बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। कीवी अस्थमा जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों में सुधार लाने में सक्षम है। यह फल प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में भी बेहतरीन काम करता है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करता है और लाभकारी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

कीवी पोटेशियम से भरपूर होती है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्व है। अध्ययनों के मुताबिक, हर दिन 4,069 मिलीग्राम पोटेशियम का सेवन करने वाले व्यक्तियों में हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 49 प्रतिशत कम होता है। कीवी ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी मदद करती है। इसका सेवन प्लेटलेट सक्रियता और प्लाज्मा लिपिडसी के स्तर को कम करने में सहायक है। ये 2 कारक हैं, जो हृदय संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

मधुमेह रोगियों के लिए है फायदेमंद

कीवी में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे मधुमेह के रोगियों के लिए एक आदर्श फल बनाती है। 100 ग्राम कीवी में महज 5 ग्राम ग्लूकोज होता है, जिसका रक्त ग्लूकोज पर इसका प्रभाव कम पड़ता है। एक मीडियम कीवी में 11 ग्राम कार्ब्स भी होते हैं, जो कि अधिकांश अन्य फलों की तुलना में कम होता है। फल में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

वजन घटाने में है कारगर

आजकल ज्यादातर लोग बहुत तैलीय और बाहरी चीजें का सेवन करने लगे हैं, जिसकी वजह से वजन बढने की समस्या आम हो चुकी है। ऐसे में कीवी का सेवन बढ़ते वजन की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। इसका कारण है कि कीवी एक कम कैलोरी वाला फल है और इसमें वसा की मात्रा भी कम होती है। इसके अलावा यह फाइबर से भरपूर होता है। यह सभी गुण वजन घटाने वाले के लिए इसे आदर्श बनाते हैं।

त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन है कीवी

त्वचा के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामिन्स शामिल होते हैं, जो त्वचा की समस्याओं से राहत दिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण रूखी और सेंसटिव त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। त्वचा को स्वस्थ रखने, नमी बनाए रखने, मुंहासों को दूर करने और त्वचा को सूरज की पराबैंगनी किरणों से बचाने के लिए कीवी का सेवन सहायक हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -075

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्‌भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

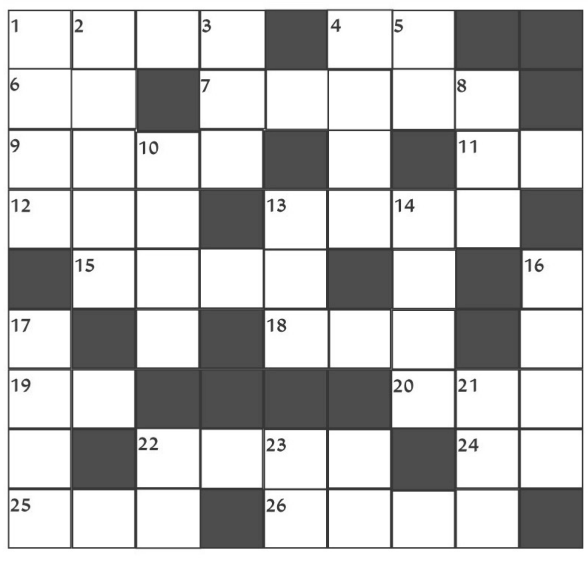

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

दि	क्क	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सलमान खान की मातृभूमि नहीं होगी आम वॉर फिल्म, मूवी को लेकर चौंकाने वाली बात सामने आई

सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस के साथ युद्ध पर एक ताजा और गहराई से इमोशनल नजरिया पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. मातृभूमि के पीछे का विजन हमेशा से हाई-ऑक्टेन वॉर सीक्वेंस के बजाय इमोशनल कहानी पर टिका रहा है. बताया जा रहा है कि शुरुआती मीटिंग्स से ही सलमान इस बात को लेकर बिल्कुल साफ थे कि मातृभूमि कभी भी एक पारंपरिक वॉर फिल्म नहीं बनने वाली थी.

उनके लिए, यह एक सैनिक के मानवीय पक्ष को दिखाने के बारे में है, यानी दो जिंदगियां जीने का इमोशनल संघर्ष एक युद्ध के मैदान में और एक घर पर. उनकी यही संवेदनशीलता और सोच की स्पष्टता उन्हें सच में दूसरों से अलग बनाती है. वह सिर्फ एक फिल्म को लीड नहीं कर रहे हैं, बल्कि मकसद के साथ उसकी रूह को आकार दे रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कहानी दर्शकों के साथ व्यक्तिगत और इमोशनल लेवल पर जुड़ सके.

यह नजरिया आम तौर पर बनने वाली युद्ध की कहानियों से काफी अलग है, जहां सैनिकों के आंतरिक संघर्षों और इमोशनल परेशानियों पर जोर दिया गया है. प्यार, त्याग और पहचान जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करके, फिल्म का लक्ष्य केवल एक्शन और देशभक्ति से आगे बढ़कर दर्शकों के दिल को छूना है.

मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान द्वारा किया गया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं. यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जुझारूपन का एक बेबाक चित्रण पेश करने का वादा करती है. फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी. फिल्म पहले 17 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अभी फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया है.

सलमान खान के फैंस को फिल्म की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार है. फिलहाल मेकर्स की ओर से फिल्म की रिलीज पर कोई अपडेट नहीं आया है. वहीं, सलमान भी अपनी इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. सलमान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार फिल्म सिकंदर में नजर आए थे, जो फ्लॉप साबित हुई थी.

छोटे उस्तादों के साथ थिरकीं नीरू बाजवा, जवाक के सेट से शेयर की मस्ती भरी झलक

पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही फिल्म जवाक में नजर आएंगी। गुरुवार को नीरू ने सॉन्ग जवाक की शूटिंग का मजेदार बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो इसलिए भी खास और मजेदार लग रहा है क्योंकि इसमें नीरू बच्चों के साथ मस्ती कर रही हैं और उनकी एनर्जी को मैच करते हुए डांस कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, संभलकर...छोटे-छोटे बच्चों में भी बहुत ज्यादा टैलेंट होता है। वाहेगुरु हमेशा आपको खुश और तरक्की में रखे। हमारी फिल्म जवाक जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शूटिंग के दौरान बच्चों के साथ उनका यह मजेदार वीडियो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है।

सॉन्ग जवाक काफी मजेदार है। इसमें नीरू बच्चों के साथ डांस करती दिख रही हैं। गाने को वरी राय ने लिखा है, जबकि संभी ने इसका संगीत तैयार किया है। गाना सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

फिल्म %जवाक' का निर्देशन जतिंद्र महुअर जबकि निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में नीरू बाजवा के साथ गुरी घुमन, निर्मल ऋषि, बी.एन. शर्मा, राणा रणबीर और रविंदर मांड मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर मुख्य जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नीरू बाजवा पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है और दर्शकों का खूब प्यार बटोरा है। अब उनकी नई फिल्म जवाक को लेकर काफी उत्सुकता है। यह फिल्म पंजाबी भाषा में है और इसमें नीरू की मजबूत अभिनय शैली एक बार फिर देखने को मिलेगी।

अभिनेत्री हिंदी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अभिनेत्री नीरू ने डिंपल नाम का एक महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, रवि किशन और दीपक डोबरियाल भी हैं। यह फिल्म 2012 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

तृप्ति डिमरी ने बनी विक्टोरिया सीक्रेट से हाथ मिलाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री

फिल्म एनिमल की अपार सफलता के बाद नेशनल क्रश बनीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। वो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और मशहूर फैशन ब्रांड विक्टोरिया सीक्रेट की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर नियुक्त की गई हैं। ये न केवल उनके बढ़ते स्टारडम का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक फैशन जगत में भारतीय सुंदरता की बदलती पहचान को भी दर्शाता है।

विक्टोरिया सीक्रेट के पास दुनियाभर के लगभग हर देश की ऐसी मॉडल हैं, जो उनके लॉन्जरी ब्रांड के लिए रैंप वॉक करती हैं, लेकिन अब तक इस ब्रांड ने भारत के लिए कभी कोई ब्रांड एंबेसडर नियुक्त नहीं किया था। हालांकि, भारतीय मूल की मॉडल पहले भी विक्टोरिया सीक्रेट के लिए रैंप पर उतर चुकी हैं। ब्रिटिश-भारतीय मॉडल नीलम गिल ने 2024 और 2025 में विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो में वॉक करने वाली पहली पंजाबी मॉडल बनकर इतिहास रचा था।

भारत की पहली ब्रांड एंबेसडर के तौर पर तृप्ति इस कैंपेन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बतौर ब्रांड एंबेसडर उनका इससे जुड़ना, भारतीय बाजार में इस ब्रांड की पहुंच को एक नई और सशक्त दिशा प्रदान करेगा। विक्टोरिया सीक्रेट की स्थापना साल 1977 में कैलिफोर्निया में हुई थी। इसकी शुरुआत एक ऐसे लॉन्जरी स्टोर के रूप में की गई थी, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के आराम से खरीदारी कर सकें।

ये कलेक्शन ब्रांड की उस सदाबहार शैली को दर्शाता है, जिसमें तृप्ति का व्यक्तित्व इस कैंपेन में नई जान फूंक रहा है। ब्रांड के साथ अपनी इस साझेदारी पर बात करते हुए तृप्ति बोलीं, मेरे लिए आकर्षक होने का मतलब सिर्फ लुक (दिखावट) से नहीं है, बल्कि ये आत्मविश्वास के बारे में है। ये इस बारे में है कि आप खुद को कितनी सहजता से पेश करते हैं और आप सचमुच जो हैं, उसे कितनी गर्व से स्वीकार करते हैं।

तृप्ति अब एनिमल के बाद एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में नजर आएंगी। इसमें तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ इश्क फरमाने वाली हैं। तृप्ति फिल्म मां-बहन का भी हिस्सा हैं। ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी, जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है।

इस फिल्म में तृप्ति, माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इसके अलावा उन्हें हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री परवीन बाबी की बायोपिक में देखा जाएगा।

अर्जुन दास और अन्ना बेन के साथ इम्मान अन्नाची का दिखा नया अंदाज

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों निर्देशक हरीश दुरईराज की आने वाली कॉमेडी-फैमिली एंटरटेनर कॉन सिटी काफी चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता का माहौल है। इस कड़ी में फिल्म मेकर्स ने टीजर जारी किया है और बताया कि फिल्म में इम्मान अन्नाची कौन सा किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पॉवरहाउस पिक्चर्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, हर गली की अपनी कहानी होती है। कॉन सिटी में इम्मान अन्नाची से मिलिए, जो चुट्टी अन्ना का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म हरीश दुरईराज द्वारा बनाई गई है और जल्द ही आपके नजदीकी थिएटर में आएगी। टीजर की शुरुआत ही दर्शकों को रोमांचित कर देती है।

टीजर में देखा जा सकता है कि अर्जुन दास अपने घर से भागकर सुरक्षित जगह पर पहुंचते है, लेकिन उनके पीछे बड़ा खतरा है। उन्हें फोन पर पैसे मांगने वाला एक व्यक्ति लगातार धमकी दे रहा है। मनी लेंडर अर्जुन दास को धमकी देता है कि अगर उसने धोखा दिया तो वह उसके परिवार को नहीं छोड़ेगा। इस पर अर्जुन दास गुस्से में जवाब देते हैं कि वह पैसे नहीं देगा और जो करना है कर ले।

इसके बाद अर्जुन दास गुस्से में अपने आस-पास की चीजों को उछालते हैं और अचानक उन्हें एक जादुई मशीन मिल जाती है, जिससे नोट निकलने लगते हैं। इस घटना से कहानी में मजेदार और रोमांचक मोड़ आता है और दर्शक जानने के लिए उत्साहित हो जाते हैं कि आगे क्या होने वाला है। फिल्म में अर्जुन दास और अन्ना बेन के अलावा, योगी बाबू, वदिवुक्करासी, इम्मान अन्नाची और अखिलन भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं।

निर्देशक हरिश दुरईराज ने इस फिल्म में हास्य, रोमांच और पारिवारिक भावनाओं का बेहतरीन मिश्रण किया है। टीजर से साफ है कि फिल्म थ्रिलर से भरपूर है। टीजर के बाद फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और यह फिल्म रिलीज होने से पहले ही चर्चा का विषय बन चुकी है।

वन विभाग के रेंज कार्यालय के नजदीक दिनभर जलता रहा जंगल

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ में वन विभाग के रेंज कार्यालय से आधा किमी की दूरी पर स्थित जंगल दिनभर जलता रहा जिससे थत्यूड़ बाजार में धुंध छा गई। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दोपहर बाद तक वनाग्नि पर काफी काबू पा लिया लेकिन कुछ हिस्से में शाम तक जंगल जलता रहा। थत्यूड़ के थापला गांव के ऊपर चीड़ और बांज-बुरांश के जंगल में 19 अप्रैल की शाम करीब छह बजे अचानक आग लग गई। रेंज कार्यालय में बैठे वनकर्मी आग बुझाने मौके पर गए लेकिन जल्द अंधेरा होने के कारण उन्हें लौटना पड़ा जिससे सुबह तक आग फैलती रही। 20 अप्रैल को करीब 8-10 वन कर्मी वनाग्नि काबू करने जंगल पहुंचे। उन्होंने काफी प्रयासों के बाद दोपहर तक काफी बड़े क्षेत्र से आग काबू कर दी लेकिन आग दूर जंगल में आग सुलगती रही। इससे देर शाम करीब छह बजे तक भी हल्की आग के कारण जंगल में धुआं उठता रहा जिससे करीब चार-पांच हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आ गया। दिनभर आग लगी रहने के कारण नजदीक बाजार में धुंध छाई रही। जंगल की राख उड़कर लोगों के लोगों घरों तक पहुंच गई। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जिलासू-आली सड़क खोलने के लिए लोनिवि ने लगाई पोकलेन

चमोली(आरएनएस)। जिलासू तहसील की लंबित जिलासू-आली सड़क के जल्द खुलने की उम्मीद जगी है। यहां भूस्खलन के कारण सड़क ध्वस्त हो गई और तब से आवाजाही बंद पड़ी थी। अब करीब 700 मीटर सड़क खोलने के लिए लोनिवि पोखरी ने पोकलेन मशीन लगाई है। अभी लोगों को पोखरी होते हुए कर्णप्रयाग जाना पड़ता था यह सड़क खुलने से ग्रामीणों की करीब 30 किमी की दूरी घट जाएगी। जिलासू तहसील को मस्टगांव, कांडई, आली आदि गांवों को जोड़ने और जिलासू से पोखरी ब्लॉक की कनेक्टिविटी के लिए जिलासू-आली सड़क का निर्माण किया गया। करीब चार वर्ष पहले सड़क 5, 6 और 7 किमी के दायरे में तीन से अधिक मोड़ों पर भूस्खलन के कारण ध्वस्त हो गई थी। इसके बाद यहां कई बार निरीक्षण किया गया मगर यहां भूस्खलन जोन के कारण और सर्वे के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। कुछ समय पूर्व विधायक लखपत बुटोला ने यहां निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही विधायक निधि से धनराशि स्वीकृत करने की बात कही। पूर्व काबीना मंत्री राजेंद्र भंडारी ने भी यहां मशीन लगाकर जल्द सड़क खोलने के लिए अधिकारियों से कहा। अब लोनिवि ने यहां काम शुरू कर दिया है। वहीं लोनिवि पोखरी के ईई राजकुमार ने बताया कि जिलासू-आली सड़क खोलने के लिए पोकलेन मशीन लगाई गई है। यहां हल्का वाहन मार्ग बनाने का प्रयास है। इस कार्य के लिए महज 7 लाख की स्वीकृति है जबकि विधायक की ओर से भी इसके लिए धनराशि स्वीकृति करने का आश्वासन दिया गया है।

सू- दोकू क्र.075

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.74 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

प्रशासन और प्रभावितों की बैठक रही बेनतीजा

चमोली(आरएनएस)। नगर के सुभाषनगर, बहुगुणानगर, अपर बाजार के भू-धंसाव प्रभावितों के पुनर्वास और मुआवजे को लेकर ब्लॉक सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में एक राय नहीं बन पाई। जिलाधिकारी गौरव कुमार और विधायक अनिल नौटियाल की उपस्थिति में हुई बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी प्रभावित परिवार एकमत होकर लिखित प्रस्ताव नहीं देते तब तक मुआवजे और विस्थापन की अग्रिम कार्यवाही शुरू करना संभव नहीं होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार ने प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद किया। इस दौरान किसी प्रभावित ने मुआवजा देने, किसी ने विस्थापन की मांग उठाई। इस पर डीएम ने कहा कि सभी प्रभावित परिवार आपसी सहमति से क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजे और संभावित विस्थापन के संबंध में एक लिखित प्रस्ताव तैयार करें। इसी प्रस्ताव के आधार पर शासन को फाइल भेजी जाएगी जिससे नियमानुसार उपचार (ट्रीटमेंट) और पुनर्वास की कार्रवाई हो सकेगी। विधायक अनिल नौटियाल ने बताया कि उन्होंने कर्णप्रयाग भू-धंसाव के गंभीर मामले को लेकर मुख्यमंत्री से वार्ता की थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही सचिव आपदा प्रबंधन ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। विधायक ने जोर दिया कि मुआवजे और ट्रीटमेंट कार्यों को शीघ्र शुरू करने के लिए प्रभावितों की आपसी सहमति अनिवार्य है। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता प्रशांत श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र में तकनीकी रूप से आवश्यक ट्रीटमेंट कार्य प्रस्तावित हैं लेकिन विभाग कार्य तभी शुरू कर पाएगा जब सभी परिवारों की ओर से सहमति बन जाएगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह, एसडीएम सोहन सिंह रांगण, सभासद कमला रतूड़ी, सीमा देवी, हेमा डिमरी, रीना देवी, संपूर्णानंद डिमरी, सुभाष चमोला, पूर्व सभासद हरेंद्र बिष्ट, पुरुषोत्तम कोठियाल और सरला खंडूड़ी आदि मौजूद रहे। बैठक के बाद विधायक अनिल नौटियाल और जिलाधिकारी ने गौचर नगर पालिका के साकेत नगर और भट्ट नगर का निरीक्षण किया। यहां नालियों का पानी लोगों के घरों में घुसने और जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। विधायक ने बताया कि नगर पालिका की कार्ययोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है और जल्द ही वित्तीय स्वीकृति मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

गोपेश्वर-ऊखीमठ हाईवे किनारे पैराफिट न सुरक्षा दीवार

चमोली(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के प्रमुख मार्गों में से एक गोपेश्वर-मंडल-ऊखीमठ हाईवे के डेंजर क्षेत्र में सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। हाईवे किनारे पैराफिट या सुरक्षा दीवार नहीं लगाई गई है। ऐसे में यहां वाहनों का संचालन हर समय खतरनाक बना रहता है।

केदारनाथ से बदरीनाथ आने वाले अधिकांश यात्री वाहन ऊखीमठ-चोपता-मंडल होते हुए गोपेश्वर पहुंचते हैं। यात्रा के दौरान गोपेश्वर आने वाले वाहनों की लाइन लगी रहती है। गोपेश्वर की तरफ से तुंगनाथ और चोपता जाने का यही मार्ग है। इस कारण यात्रा सीजन में इस मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। सिंगल लेन की इस सड़क पर जगह-जगह डेंजर जोन हैं।

मगर गंगोलगांव से गोपेश्वर की तरफ हाईवे पर तीव्र ढलान और तीखे मोड़ हैं लेकिन यहां हाईवे के किनारे पैराफिट नहीं लगाए गए हैं। यहां सड़क के नीचे गहरी खाई है। यदि इस क्षेत्र में कोई दुर्घटना हो जाएगी तो बचना मुश्किल है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग रुद्रप्रयाग के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडेय का कहना है कि हाईवे पर पैराफिट लगाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। अब इसे वार्षिक प्लान में रखा गया है। मंजूर होते ही शीघ्र कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

टिहरी झील क्षेत्र में तीन चरणों में तैयार होगी रिंग रोड

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी झील परिक्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देन के उद्देश्य से एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है। तीन चरणों में रिंग रोड का निर्माण कार्य पूरा किया जाना है। पहले चरण में कोटी से डोबरा तक रिंग रोड का कार्य जारी है। एडीबी के करीब 1300 करोड़ के वित्तीय सहयोग से टिहरी झील के चारों ओर रिंग रोड का निर्माण कार्य के साथ पर्यटन गतिविधियों बढ़ावा देन के लिए अन्य कार्य किए जाने है। प्रथम चरण में कोटी कालोनी से डोबरा पुल तक करीब 16 किलोमीटर रिंग रोड तैयार की जानी है। दूसरे चरण में डोबरा-चांठी पुल से मदन नेगी-पीपलडाली और आखिरी चरण में गडोलिया-टिपरी से कोटी तक रिंग रोड़ का कार्य होना है। कोटी से डोबरा रिंग रोड़ में क्षेत्र के 9 गांवों के ग्रामीणों की भूमि और परिसंपत्तियों को अधिग्रहण किया गया है। रिंग रोड़ करीब 14 से 20 मीटर चौड़ी बनाई जानी है। पर्यटन की दृष्टि से रिंग रोड़ के किनारे फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, व्यू प्वाइंट आदि का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। मरोड़ा से डोबरा रिंग रोड़ के निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर मलबा आने से स्थानीय लोगों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। ग्रामीणों ने सड़क मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव करने के साथ सुरक्षात्मक कार्य करने की मांग की है। इस बाबत लोनिवि चंबा के अधिशासी अभियंता जगदीश खाती ने कहा कि रिंग रोड़ के दायरे में आने वाले करीब 70 प्रतिशत काश्तकारों की परिसंपत्तियों का भुगतान किया जा चुका है। मरोड़ा से डोबरा तक करीब सात किलोमीटर हिस्से की कटिंग कार्य पूरा होने के बाद सड़क की सुरक्षा दीवार का कार्य शुरु किया गया है। मरोड़ से जाख तक पहाड़ी कटिंग का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। इसके बाद इस पर भी सुरक्षात्मक कार्य किए जाएंगे। जाख गांव से कोटी तक सड़क कटिंग का कार्य कुछ दिनों के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। वहीं धूल से बचाव के लिए टैंकरों के माध्यम से पानी के नियमित छिड़काव के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं।

चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुझी जंगल की आग

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। ब्लॉक के कुनियाली गांव के निकटवर्ती जंगलों में लगी भीषण आग विकराल हो गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की दक्षिणी जखोली रेंज की टीम मौके पर पहुंची और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार शुष्क मौसम के कारण आग तेजी से फैली। वन क्षेत्राधिकारी हरीश थपलियाल ने बताया कि कुछ शरारती तत्वों ने जंगल में आग लगाई थी। आग पर काबू पा लिया गया है। न्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने और आग की घटनाओं की सूचना तुरंत देने की अपील की।

लचर पड़ी है राजकीय बेस अस्पताल की आईसीयू सेवाएं

कोटद्वार(आरएनएस)। गढ़वाल के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के मरीजों को राजकीय बेस अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) का व्यापक लाभ नहीं मिल पा रहा है। दरअसल एकमात्र चार बेड का आईसीयू ही संचालित है और 10 बेड क्षमता का बंद पड़ा है। बेड खाली नहीं होने पर मरीजों को हायर सेंटर के लिए रेफर करना पड़ रहा है।

गत वर्ष गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने बेस अस्पताल की चौथी मंजिल पर स्थापित आईसीयू का उद्घाटन किया था। उन्होंने आईसीयू में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं एवं उपचार सुविधा के संबंध में जानकारी की थी। साथ ही अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को दूर कर अस्पताल के सभी विभागों और आईसीयू यूनिट को पूरी क्षमता से चलाने के प्रति आश्वस्त किया था।

बीते एक वर्ष में एक-एक कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या तो बढ़ी लेकिन फिजिशियन की कमी अभी भी बनी हुई है जिसका सीधा असर आईसीयू संचालन पर पड़ रहा है। इस समय अस्पताल में संचालित चार बेड के आईसीयू में कोई फिजिशियन तैनात नहीं है। फार्मासिस्ट और अन्य स्टाफ ही व्यवस्थाओं को संचालित कर रहे हैं। आपात स्थिति में या फिर राउंड के दौरान ओपीडी से ही फिजिशियन आईसीयू में पहुंचते हैं। वहीं, फिजिशियन एवं अन्य संसाधनों की कमी के कारण अस्पताल की बड़ी आईसीयू यूनिट बंद पड़ी है। ऐसे में अस्पताल में आने पर गंभीर रोगियों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर करना अस्पताल प्रशासन की मजबूरी बना हुआ है। मरीजों अजय माहेश्वरी एवं रानी आदि का कहना है कि लंबे समय तक बेस अस्पताल में इलाज कराने आने के बाद जब उन्हें आईसीयू जैसी आपात सुविधा नहीं मिल पाई, तो उन्हें मजबूरन मेरठ और देहरादून जाना पड़ा।

एसएसपी ने 54 इंस्पेक्टरों व दरोगाओं के लिए तबादले

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी ने 54 इंस्पेक्टरों व दरोगाओं के तबादले करते हुए कमल कुमार लुण्ठी को डोईवाला कोतवाल का कार्यभार सौंपा। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिये।

आज यहां एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने जनपद में 54 इंस्पेक्टरों व दरोगाओं के कार्यभार में फेरबदल करते हुए कमल कुमार लुण्ठी को कैण्ट कोतवाली से डोईवाला कोतवाली का प्रभारी बनाया। इसके साथ ही प्रदीप रावत को राजपुर से प्रभारीं निरीक्षक सहसपुर के कार्यभार सौंपा। इसके साथ ही शंकर सिंह बिष्ट सहसपुर से प्रभारी निरीक्षक कैण्ट, प्रदीप राणा को प्रभारी निरीक्षक डोईवाला से पुलिस कार्यालय, अशोक राठौर को थानाध्यक्ष बसंत विहार से एसआईएस पुलिस कार्यालय, मुकेश त्यागी को एसओजी से एसओजी देहात, खुशीराम पाण्डे को एएनटीएफ से एसओजी देहात, शैकी कुमार को एसओजी से थानाध्यक्ष बसंत विहार, संदीप कुमार को एसओजी से प्रभारी एसओजी नगर, परमेश्वर दत्त भट्ट थानाध्यक्ष सेलाकुई से थानाध्यक्ष राजपुर, लोकपाल परमार को पुलिस लाईन से थानाध्यक्ष सेलाकुई, आशीष कुमार को चौकी प्रभारी आईएसबीटी से एसएसआई नेहरू कालोनी, मनोहर सिंह रावत को पुलिस लाईन से एसएसआई सहसपुर, मनमोहन नेगी को एसएसआई कोतवाली नगर से एसएसआई सहसपुर, रविन्द्र सिंह नेगी को एसएसआई नेहरू कालोनी से एसएसआई कैण्ट, जितेन्द्र कुमार को थाना सहसपुर से एसएसआई प्रेमनगर, राजेश बिष्ट को चौकी प्रभारी सभावाला से एसएसआई कोतवाली नगर, जयवीर सिंह चौकी प्रभारी लक्खीबाग से चौकी प्रभारी आईएसबीटी, अरविन्द पंवार को चौकी प्रभारी आईएसबीटी ऋषिकेश से चौकी प्रभारी सभावाला, आदित्य सैनी को रायवाला से चौकी प्रभारी लालतप्पड, विनय मित्तल को चौकी प्रभारी लालतप्पड से थाना डालनवाला, रफत अली को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी नयागांव, वैभव गुप्ता को चौकी प्रभारी नयागांव से चौकी प्रभारी कुल्हाल, परवेश रावत को थाना सेलाकुई से चौकी प्रभारी मालदेवता, ओमप्रकाश को चौकी प्रभारी मालदेवता से थाना नेहरू कालोनी, विनय द्विवेदी को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी बाईपास नेहरू कालोनी, दीपक पंवार को चौकी प्रभारी बाईपास से एसओजी नगर, सूरज कण्डारी को थाना चकराता से चौकी प्रभारी जाखन, दीपक द्विवेदी को चौकी प्रभारी जाखन से चौकी प्रभारी आईटी पार्क, राकेश पुण्डीर थाना नेहरू कालोनी से चौकी प्रभारी लक्खीबाग, गिरीश बडोनी को थाना विकासनगर से चौकी प्रभारी जोगीवाला, विजय प्रताप राही को चौकी प्रभारी जोगीवाला से थाना प्रेमनगर, अजय भट्ट को थाना विकासनगर से थाना रायपुर, शैलेन्द्र मंमगाई को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी आईएसबीटी थाना ऋषिकेश, कुसुम पुरोहित को कोतवाली नगर से चौकी प्रभारी खुडबुडा, बलवीर सिंह पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी नालापानी, अजीत कुमार को चौकी प्रभारी लक्ष्मण चौक से थाना डालनवाला, ज्योतिप्रसाद उनियाल को चौकी प्रभारी खुडबुडा से चौकी प्रभारी लक्ष्मण चौक, कृष्ण कुमार को पुलिस लाईन से एसएसआई चकराता, विकेन्द्र सिंह को पुलिस लाईन से थाना डालनवाला, गिरीश नेगी को पुलिस लाईन से एसआईएस शाखा, रजनी चमोली को पुलिस लाईन से एसआईएस शाखा, शशि को पुलिस लाईन से थाना सेलाकुई, मेघा आलोकोटी को पुलिस लाईन से थाना कोतवाली नगर, नीमा को कोतवाली नगर से थाना रायपुर, विनय शर्मा को पुलिस लाईन से थाना कोतवाली नगर, अशोक कुमार को पुलिस लाईन से थाना रायवाला, लोकपाल परमार को पुलिस लाईन से थाना रायपुर, मनोज रावत को थाना ऋषिकेश से थाना डालनवाला, दीपशिखा को पुलिस लाईन से थाना रानीपोखरी, विनिता बेलवाल को थाना क्लेमनटाउन से एसआईएस शाखा, ज्योति को थाना कोतवाली नगर से थाना रायवाला, दीपक गैरोला को थाना कैण्ट से चौकी प्रभारी पंडितवाडी व मोहन सिंह को चौकी प्रभारी पंडितवाडी से थाना कैण्ट भेजा गया है। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिये गये हैं।

हल्द्वानी में पत्रकारों ने एसएसपी से की भेंट

❑पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान सर्वोपरिः एसएसपी

संवाददाता

नैनीताल। पत्रकारों ने एसएसपी से मुलाकात करा पत्रकारों की छवि धूमिल करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की।

आज सर्वेन्द्र बिष्ट जिलाध्यक्ष व भूपेंद्र रावत जिला महामंत्री श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उत्तराखंड व हल्द्वानी क्षेत्र के समस्त पत्रकार द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल कार्यालय में उपस्थित होकर एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी से शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, नैनीताल जिला इकाई द्वारा एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में कमल कफलटिया नामक व्यक्ति, जो स्वयं को पत्रकार बताता है, के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया गया। पत्रकारों ने अवगत कराया कि उक्त व्यक्ति द्वारा स्वयं को पत्रकार बताकर अनुचित गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है तथा कुछ दिन पूर्व एक प्रिंट मीडिया के पत्रकार के साथ बुद्ध पार्क में अभद्रता की गई इस तरह पत्रकार एवं आम जनता के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की जाती है, जिससे सामाजिक वातावरण एवं पत्रकारिता की गरिमा प्रभावित हो रही है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं यूट्यूब चैनल संचालकों द्वारा पत्रकारों की छवि धूमिल करने एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग के विरुद्ध भी कठोर कार्यवाही की मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा व्यक्तिगत लाभ एवं लोकप्रियता प्राप्त करने के उद्देश्य से पत्रकारों के विरुद्ध भ्रामक, अपमानजनक एवं असत्य सामग्री प्रसारित की जा रही है, जिससे पत्रकारों की सामाजिक प्रतिष्ठा एवं मीडिया की विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स एवं यूट्यूब चैनलों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। भ्रामक एवं अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने वालों पर आईटी एक्ट एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाए जाएं। पत्रकारों की गरिमा को ठेस पहुंचाने, अभद्रता करने अथवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर भ्रामक व अपमानजनक सामग्री प्रसारित करना चिन्ता का विषय है ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे सभी व्यक्तियों/अकाउंट्स की पहचान कर उनके विरुद्ध आईटी एक्ट एवं अन्य सुसंगत धाराओं में कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जनपद में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा। पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान सर्वोपरि है, और इसे प्रभावित करने वाले किसी भी तत्व के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

ऑपरेशन प्रहारः तीन पेटी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा शुरू होते ही पहाडों में शराब तस्करी के मामले बढ़ने लगे है। हालांकि पुलिस अपनी कार्यवाही से भी पीछे नहीं हट रही है। इस क्रम में बीते रोज पुलिस ने तीन पेटी शराब सहित एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। शराब तस्करी का यह मामला कोतवाली ज्योर्तिमठ क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली ज्योर्तिमठ पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को हेलंग पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास से तीन पेटी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल नयन उर्फ कमलेश फर्स्वाण, पुत्र दरबान सिंह, निवासी ग्राम तुगासी, जोशीमठ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधि नियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

विधि-विधान के साथ खुले श्री केदारनाथ..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

रूप से सजाया गया। कपाट खुलते ही हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कपाट खुलने के अवसर पर गीता धामी, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी, पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य कार्याधिकारी बीकेटीसी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, सहित बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहितगण, हकहकूकधारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ट्रांजिट कैंप में पहाड़ी स्वाद का संगम, यात्रियों को मिल रहा खास अनुभव

संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश के ट्रांजिट कैम्प में यात्रियों को स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन परोसे जा रहे हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत ऋषिकेश नगर निगम द्वारा ट्रांजिट कैंप में यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशन एवं निगरानी में संचालित इन व्यवस्थाओं के तहत स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन परोसे जा रहे हैं, जो चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को खासा आकर्षित कर रहे हैं। ट्रांजिट कैंप में उड़द की दाल के पकोड़े, कापली भात, तिल की चटनी, जंगोरे की खीर और मंडवे की रोटी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेकर यात्री न केवल उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति से रूबरू हो रहे हैं, बल्कि उन्हें यात्रा के दौरान पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध हो रहा है। इन व्यंजनों का स्वाद चखने के बाद श्रद्धालु उत्साह के साथ अपनी आगे की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। उपासना जन सेवा स्वायत्त सहकारिता संगठन से जुड़ी 12 समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इन व्यंजनों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। महिला समूहों की यह पहल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। बिहार से आए यात्री अरुण कुमार ने बताया कि इन

पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से उन्हें उत्तराखंड की संस्कृति और स्वाद का अनूठा अनुभव मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये व्यंजन न केवल स्वादिष्ट हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी हैं। वहीं, गणपति स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सुनीता बंसल ने कहा कि नगर निगम द्वारा ट्रांजिट कैंप में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से महिलाओं को अपनी आजीविका मजबूत करने का मंच मिला है। उन्होंने धामी सरकार और जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में संचालित यह पहल जहां एक ओर यात्रियों को सुविधाएं प्रदान कर रही है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रही है। ट्रांजिट कैंप में विश्राम के दौरान श्रद्धालु स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेते हुए अपनी यात्रा को और भी यादगार बना रहे हैं।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर राहगीर घायल

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर राहगीर के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवली रोड निवासी रंजीता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति शंकर बाजार से पैदल घर की तरफ आ रहे थे। जब वह शिवाजी मार्ग गुरूद्वारे के पीछे पहुंचे तभी अज्ञात वाहन चालक ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'व्यापार और सुरक्षा के बीच बढ़ती खाई'

हमारे संवाददाता

देहरादून। शहर के प्रमुख व्यवसायियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। 'स्थानीय व्यवसाय और कानून-प्रवर्तन-देहरादून परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में सभी ने एक स्वर में कहा कि अब समय आ गया है कि स्पष्ट नीतियों और ठोस कदमों के साथ सुधार किये जाए।

बैठक का आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता अनूप नौटियाल और रेस्टोरेंट व्यवसायी आनंद कांती द्वारा किया गया। बैठक में होटल, रेस्टोरेंट, शिक्षा, परिवहन, रिटेल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से अनूपमा जोशी, एला गर्ग, कुनाल शमशेर मल्ला, रणधीर अरोड़ा, नवनीत ओबेरॉय, रसिक भाटिया, अविनाश तिवारी, माधव डालवी और हेमंत कूरिच शामिल रहे।

बैठक में चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि कानूनों का पालन एक समान तरीके से नहीं हो रहा, साथ ही प्रशासन और व्यापारियों के बीच भी संवाद की कमी है, कई नियम अस्पष्ट हैं, जिससे भ्रम पैदा होता है। इसका असर व्यापार और आम नागरिकों की सुरक्षा दोनों पर पड़ रहा है।

बैठक में व्यवसाईयों ने प्रशासन को सुझाव दिये कि रेस्टोरेंट के सर्विंग टाइम पर स्पष्टता होनी चाहिए। यदि अंतिम ऑर्डर का समय रात 11 बजे है, तो ग्राहकों को कम से कम 30-45 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाए, ताकि वे आराम से भोजन कर सकें। इससे अनावश्यक विवाद कम होंगे। जबकि पुलिस-व्यापारी समन्वय के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाये जाने चाहिए। हर थाना स्तर पर एक आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिसमें रोजाना बार/रेस्टोरेंट बंद होने के बाद क्लोजिंग स्टेटस के साथ फोटो या वीडियो साझा किए जाएं। इससे पारदर्शिता और भरोसा बढ़ेगा। उन्होने यह भी सुझाव दिया कि लाइसेंसिंग में लोकल डोमिसाइल को प्राथमिकता दी जाए। गोवा मॉडल की तरह, बार/लाइसेंस केवल उत्तराखंड के मूल निवासियों (डोमिसाइल होल्डर्स) को दिए जाएँ। इससे स्थानीय लोगों की जवाबदेही बढ़ेगी। बाहरी तत्वों द्वारा नियमों के उल्लंघन (लेट नाइट, अवैध गतिविधियाँ) पर नियंत्रण होगा।

बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल लेट नाइट बार से जोड़ना सही नहीं है। ट्रैफिक नियम, ड्राइविंग व्यवहार और सार्वजनिक अनुशासनहीनतों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होने चंडीगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा गया कि वहां देर रात तक गतिविधियां होने के बावजूद सख्त कानून-प्रवर्तन और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार के कारण बेहतर व्यवस्था बनी रहती है। बैठके दौरान इस बात पर भी चर्चा हुई कि सामाजिक सुरक्षा हेतू, स्कूल स्तर से सुधार की शुरुआत प्रशासन को करनी चाहिए। छात्रों के बीच बिना लाइसेंस वाहन चलाने और बिना हेलमेट स्कूल आने जैसी समस्याओं पर चिंता जताई गई। सुझाव दिया गया कि स्कूलों में सख्त नियम लागू हों और अभिभावकों की जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी। जिनमें पीजी और हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों का सत्यापन अनिवार्य किया जाए, युवाओं में बढ़ती आक्रामकता और नशे की प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए जागरूकता और सख्ती दोनों जरूरी हैं

बैठक में सभी प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि शहर में बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए केवल बार या रेस्टोरेंट को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। प्रशासन, पुलिस, शैक्षणिक संस्थान, व्यापारी और आम नागरिकख्रसभी के संयुक्त प्रयास और स्पष्ट नीतियां ही देहरादून में सुरक्षित, व्यवस्थित और भरोसेमंद वातावरण सुनिश्चित कर सकती हैं।

राइफल व कारतूसों के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने राइफल व जिन्दा कारतूसों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने हंसुवाला तिराहा के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से राइफल व तीन जिन्दा कारतूस बरामद कर लिये। पुलिस ने उससे राइफल व कारतूसों के दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा सका। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रक की चपेट में आकर कार चालक घायल

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर कार चालक के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी नगर चोरखाला निवासी बंटी सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई सुखबीर सिंह अपने कार से घर की तरफ आ रहा था जब वह मौहब्बेवाला के पास पहुंचा तभी पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक चालक ने उसके भाई की कार को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया और कार क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रंजिश के चलते युवकों के दो गुटों में चली गोलियां!

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में बीती देर उस समय अफरा-तफरी मच गये जब रंजिश के चलते दो गुटों में खूनी टकराव हो गया। घटना में एक युवक के हाथ में गोली लगी है। जिसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

यह घटना रानीपुर क्षेत्र के फांउड्री गेट के पास की है। यहां बीती रात दो गुटों के बीच चली आ रही रंजिश खूनी टकराव में बदल गई। दोनों पक्षों के आमने-सामने आते ही एक गुट ने दूसरे पर फायरिंग कर दी, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। घटना में ज्वालापुर के पीठ बाजार निवासी वासु के हाथ में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना में शामिल कुछ युवक पिल्ला गैंग से जुड़े बताए जा रहे है।

जानकारी के अनुसार पीठ बाजार और कस्साबान क्षेत्र के युवकों के बीच करीब एक सप्ताह पहले हुए झगड़े के बाद से ही दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। बीती रात करीब 11 बजे फाउंड्री गेट के पास स्थित बागगोवाली क्षेत्र में दोनों गुटों का आमना-सामना हो गया, जिसके बाद विवाद अचानक हिंसक हो उठा और गोलियां चल गईं। जिसमे वासु पुत्र सुरेंद्र निवासी पीठ बाजार ज्वालापुर घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही रानीपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और एक आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया, जबकि अन्य हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देश पर फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया है।

वहीं, कोतवाली प्रभारी मनोहर भंडारी ने बताया कि एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। घटना में करीब पांच आरोपी शामिल थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

उद्धव व कुबेर जी की उत्सव डोलियाँ बदरीनाथ धाम पहुँची

हमारे संवाददाता

चमोली। शीतकालीन प्रवास के उपरांत आज भगवान बदरी विशाल के प्रतिनिधि स्वरूप उद्धव जी एवं देवताओं के खजांची कुबेर जी की पवित्र उत्सव डोलियाँ योगध्यान बदरी मंदिर, पांडुकेश्वर से सकुशल श्री बदरी नाथ धाम पहुँच गई। इस दिव्य आगमन के साथ ही धाम में कपाट खुलने की तैयारियों को और गति मिल गई है तथा सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो उठा।

आज प्रात: काल योगध्यान बदरी मंदिर, पांडुकेश्वर में पारंपरिक पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात इस पावन यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में भगवान बदरी विशाल की उत्सव डोली, आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी, पवित्र गाडू घड़ा (तिल तेल कलश), रावल जी (मुख्य पुजारी) सहित भगवान के सखा उद्धव जी एवं खजांची कुबेर जी की डोलियाँ भव्यता के साथ बदरी नाथ धाम की ओर रवाना हुईं।

पूरे यात्रा मार्ग में अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। भारतीय सेना के बैंड की मधुर एवं भक्तिपूर्ण धुनों, "जय बदरी विशाल" के गगनभेदी जयकारों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच यह पवित्र काफिला आगे बढ़ता रहा। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख पड़ावों विष्णुप्रयाग, लामबगड़ एवं हनुमानचट्टी पर स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं द्वारा डोलियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस द्वारा पूरे मार्ग पर चाक-चौबंद प्रबंध किए गए थे, जिससे यह संपूर्ण यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब शीतकाल में श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद हो जाते हैं, तब भगवान विष्णु के प्रतिनिधि उद्धव जी एवं कुबेर जी योगध्यान बद्री, पांडुकेश्वर में विराजमान रहते हैं। चारधाम यात्रा के पुन: आरंभ से पूर्व इन दिव्य स्वरूपों का बदरी नाथ धाम लौटना एक अत्यंत महत्वपूर्ण परंपरा है, जो यह दर्शाता है कि भगवान की दिव्य सत्ता और व्यवस्था निरंतर बनी रहती है। उद्धव जी एवं कुबेर जी की इस पावन वापसी के साथ ही अब श्री बदरी नाथ धाम के कपाट खुलने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, जिसका देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।